NEW ERA PUBLIC SCHOOL (2021-22)

SUBJECT: HINDI A/B CLASS: 7th

SOLVED ASSIGNMENT FOR UNIT-I

पाठ - 1
वह देश कौन-सा है?

शब्द ज्ञान

सुगंध - खुशबू, प्रसून - फूल, अनंत - जिसका अंत न हो, अलौकिक - इस संसार से परे, आत्मज्ञानी - तिनके की तरह, सपूत - सुपुत्र।

मौखिक

1. कविता में किस देश का वर्णन कवि ने किया है?

उ०: कविता में भारत देश का वर्णन कवि ने किया है।

2. इस कविता में कवि ने फूलों की क्या विशेषता बताई है?

उ०: इस कविता में कवि ने फूलों की विशेषता खुशबू और सुगंध की बताई है।

3. हिमालय की उपमा किससे की गई है?

उ०: हिमालय की उपमा मुकुट से की गई है।

लिखित :

1. देश की धरती में किस अनंत धन की कल्पना की गई है?

उ०: देश की धरती में अलौकिक, तत्वज्ञ, ब्रह्मज्ञानी अनंत धन की कल्पना की गई है।

2. कवि ने किन तत्व ज्ञानियों का नाम इस कविता में गिनाया है?

उ०: हनुमान, भीष्म, शंकर, गौतम, कपिल, पतंजलि, जैसे तत्व ज्ञानियों का नाम कवि ने इस कविता में गिनाया है।

3. राम ने स्वराज को क्या समझकर त्याग दिया था?

उ०: राम ने स्वराज को तिनका समझकर त्याग दिया था।

निम्नपंक्तियों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आदर्श नर जहाँ पर थे बाल-ब्रह्मचारी,
हनुमान, भीष्म, शंकर, वह देश कौन सा है?
विद्वान, वीर, योगी, गुरु, राजनीतिज्ञों के,
श्रीकृष्ण थे जहाँ पर वह देश कौन-सा है?

क, 'आदर्श नर' शब्द से आप क्या समझते हैं ?
उ०: 'आदर्श नर' शब्द से हम आदर्श वादी समझते हैं।

ख, आदर्श शब्द का प्रयोग किनके के लिए किया गया है।
उ०: आदर्श शब्द का प्रयोग बाल-ब्रह्मचारी के लिए किया गया है।

ग, विद्वान, वीर, गुरु शब्द के विपरीत शब्द लिखिए ?
उ०: अनपढ़ , कायर , लघु

Scanned with CamScanner

Pg no 4

पाठ 2.

4. उ०: जुम्मन और उसकी पत्नी की आपस में यह बहस हुई अगर अमीर आदमी तुम से सदुकची खरीदना चाहता था तो तुम्हें सदुकची उसे बेच देनी चाहिए थी और मुँह माँगे पैसे मिलते। पैसे-पैसे के लिए दूसरों का मुँह तो देखना नहीं पड़ता।

5. इस कहानी में आपको किसका चरित्र सबसे अच्छा लगा और क्यों?

उ०: इस कहानी में हमें जुम्मन का चरित्र सबसे अच्छा लगा क्योंकि पैसे की जरूरत होते हुए भी उसने किसी की अमानत को नहीं बेचा।

6. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है?

उ०: इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि भलाई और ईमानदारी कभी व्यर्थ नहीं जाती, समय पाकर यह अपना सही प्रभाव दिखाती है। मनुष्य को ईमानदारी के सही रास्ते से एक कदम भी विचलित नहीं होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

पाठ - २

ईमानदारी का पुरस्कार

शब्द - ज्ञान

निर्वाह - गुजारा, होड़ - मुकाबला, मोहताज़ - अधीन, कबाड़िया - टूटी-फूटी चीजें बेचने वाला, खेद - दुख, कदाचित् - शायद, चिराग - दीपक, सत्यानाश - बिल्कुल बरबादी ।

मौखिक

1. जुम्मन कौन था, वह क्या व्यवसाय करता था?

उ०: जुम्मन एक कबाड़ी था और वह पुराना सामान बेचने का व्यवसाय करता था।

2. जुम्मन किस बात को पाप समझता था?

उ०: जुम्मन अधिक दाम लेने को पाप समझते था।

3. जुम्मन को रुपयों की आवश्यकता क्यों पड़ गई थी?

उ०: जुम्मन को रुपयों की आवश्यकता मकान का किराया देने के लिए पड़ गई थी।

लिखित :

1. अधिक दाम मिलने पर भी उसने पराई संदूकची क्यों न बेची?

उ०: अधिक दाम मिलने पर भी जुम्मन ने संदुकची नही बेचीथी क्योंकि वह संदुकची उसकी नही थी। एक बार एक अमीर आदमी उसे खरीदना चाहता था पर उसने संदुकची नही बेची।

2. जुम्मन दूसरे कबाड़ियों की होड़ में क्यों न ठहर सका?

उ०: जुम्मन बातुनी न होने के कारण वह दूसरे कबाड़ियों की होड़ में न ठहर सका और एक दिन ऐसा आया जब उसके हाथ में एक पैसा भी न रहा और वह रोटी के लिए मोहताज़ हो गया।

3. संदूकची में रखे हुए परचे का नईमा को कैसे पता चला?

उ०: एक दिन नईमा जुम्मन की दुकान पर आई और उससे अपनी संदुकची माँगी। जुम्मन ने उसे संदुकची दे दी। जैसे ही नईमा ने संदुकची पर हाथ रखा। उसके अंदर से एक कागज़ निकला। उसमे लिखा था, "हमारे मकान के वृक्ष के नीचे एक बर्तन दबा है। उसमे एक हजार के गहने है जब तुम्हें आवश्यकता पड़े निकाल लेना।"

4. जुम्मन और उसकी पत्नी में संदुकची के बारे में क्या बहस हुई?

Ans on Pg no 4.

प्र. नीचे दिए गए गद्यांश में रिक्त स्थान भरिए :

जुम्मन चिराग़ लाया। नईमा ने उस बनी हुई तस्वीर के सिर पर हाथ रखकर जोर से दबाया। पेंदा दबते ही ऊपर उठ आया। उसके अंदर से एक कागज़ निकला। उसमें लिखा था, "हमारे मकान में वृक्ष के नीचे एक बर्तन दबा है। उसमें एक हजार के गहने हैं जब तुम्हें आवश्यकता पड़े निकाल लेना।"

प्र. उपयुक्त मुहावरे से संबंधित अर्थ जोड़ कर उस मुहावरे के सामने लिखिए :

मुहावरा	अर्थ
1. खाक छानना	मारे - मारे फिरना (1)
2. पैरों तले की जमीन निकल जाना	दुष्ट की रक्षा करना (8)
3. गाँठ बाँधना	आरंभ करना (10)
4. टाँग अड़ाना	बीती बातों को ले बैठना (7)
5. कलेजे पर साँप लोटना।	भूख लगना (9)
6. टस से मस न होना	बाधा डालना (4)
7. गड़े मुर्दे उखाड़ना	तनिक भी प्रभावित न होना (6)

8. साँप को दूध पिलाना	होश उड़ जाना (2)
9. पेट में चूहे कूदना	ईर्ष्या होना (5)
10. श्री गणेश करना	अच्छी तरह याद रखना (3)

पाठ - 3
जंगल की आत्मकथा

शब्द ज्ञान

अनुपम - जिसके समान कोई न हो, रूपसी - सुंदरी, कृषि - खेती, भ्रांति - भ्रम, वेरी - दासी, अति - बहुत, प्राचीन - पुराना, अखिल - संपूर्ण, सर्वप्रथम - सबसे पहले।

मौखिक

1. जंगल की पूजा कैसी होती है?

उ०. जंगल की पूजा कार्य प्रकार होती है?

2. जंगल की कद्र न करने से क्या हानि हुई है?

उ० जंगल की कद्र न करने से जान और संपत्ति की हानि हुई है?

लिखित

1. जिस समय आर्य भारत में आए, उन्हें किसने अपनी गोद में आश्रय दिया था?

उ०: जिस समय आर्य भारत में आए तो हिमालय ने उन्हें अपनी गोद में आश्रय दिया था।

2. आज जंगल को सभ्यता का शत्रु क्यों समझा जाता है?

उ०: आज जंगल को सभ्यता का शत्रु इसलिए समझा जाता है क्योंकि नासमझ लोग समझते हैं जंगल नष्ट कर देने से ही वे सभ्य बन जाएँगे। अपनी करनी का भुगतान दुनिया भोग भी चुकी है और आज भी भोग रही है। जहां बड़े-बड़े सपन्न साम्राज्य थे। जैसे - बेबीलोन, मिस्र, इत्यादि आज आशाहीन, अंतहीन, रेगिस्तान फैला हुआ है।

3. जंगल को नष्ट करने को क्या हानियां होती है?

उ०: जंगल को नष्ट करने से बाढ़ से लाखों घर डूबते हैं जानें जाती है, संपत्ति बरबाद होती है। पहाड़ों पर वर्षा बहकर समतल भूमि पर आती है।

4. झूठी सभ्यता के बहकावे में लोग जंगल के साथ कैसा बर्ताव करते है?

उ० झूठी सभ्यता के बहकावे में लोग जंगल

के साथ बुरा बर्ताव करते है।
5. किस देशों में जंगल को फिर से बसाया जा रहा है?
उ॰ इटली और इंग्लैंड में जंगलो को फिर से बसाया जा रहा है।

रिक्त स्थान भरिए.
मैं अति प्राचीन वंश का हूँ। जब आपके आदिम पूर्वज भी पैदा न हुए थे, उस समय भी मेरा अखिल विश्व पर साम्राज्य था। गगनचुंबी-हिमालय भी मेरी गोद के सामने उठकर खड़ा हुआ था। जिस समय सर्वप्रथम आर्य भारतवर्ष में आए तो मैंने ही अपनी गोद में उन्हें आश्रय दिया और अपने फल-फूल खिलाए। मेरे ही अनुपम साज को पहन प्रकृति इतनी रूपसी बन गई कि उसने आर्यों के कोमल-भावुक मन को मथकर वेद का प्रथम मंत्र निकाला।

हिन्दी व्याकरण

विलोम (1-10) Pg. no 64
पर्यायवाची (1-20) Pg. no 54
अनेकार्थक शब्द (1-9) Pg. no 59.
शब्द युग्म (1-7) Pg. no 72
मुहावरे (1-20) Pg. no 158

निबंध
पुस्तकालय Pg. no 197

पत्र
पुस्तके मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखें। Pg. no 186.

7th

Scanned with CamScanner